कांवड़ सजा के चालो | By Kumar Narendra |

कांवड़ सजा के चलो
सावन ऋतु है आई
भक्तों को शिव ने अपने
आवाज़ है लगाई
कांवड़ सजा के चलो
सावन ऋतु है आई

बोल बम के नारा बा
बाबा एक सहारा बा

सावन की ऋतु है प्यारी
भक्तों करो तैयारी
शिव गौरा से मिलन की
मन में उमंग भरी
तन हो गया है पागल
मन में बसंती छाई

कांवड़ सजा के चलो
सावन ऋतु है आई
भक्तों को शिव ने अपने
आवाज़ है लगाई
कांवड़ सजा के चलो
सावन ऋतु है आई

बम बम बम बम कहता जा
कांवड़िये ये कहता जा

जीवन है तेरा छोटा
बातों में ना लगाना
जब-जब भी आए सावन
कांवड़ शिव चरण चढ़ाना
जिस भक्त के ये भाव
उसने शिव कृपा है पाई

कांवड़ सजा के चलो
सावन ऋतु है आई
भक्तों को शिव ने अपने
आवाज़ है लगाई
कांवड़ सजा के चलो
सावन ऋतु है आई

बोल बम के नारा बा
बाबा एक सहारा बा

आदेश शिव का होता
दर्शन तो तभी हैं पाते
शिव की कृपा जो होती
कांवड़ तभी उठाते

हमने भी शिव कृपा से
जीवन में कृपा है पाई

कांवड़ सजा के चलो
सावन ऋतु है आई
भक्तों को शिव ने अपने
आवाज़ है लगाई
कांवड़ सजा के चलो
सावन ऋतु है आई

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%a1%e0%a4%bc-%e0%a4%b8%e0%a4%9c%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a5%87-%e0%a4%9a%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a5%8b-by-kumar-narendra/